

बनकर के धूल के कण चरणों से लिपट जाऊं भजन लिरिक्स



बनकर के धूल के कण,
चरणों से लिपट जाऊं,
तेरे आँचल की छैया,
मैं आके सिमट जाऊं,
बनकर के धूल के कण,
चरणों से लिपट जाऊं।bd।

[तर्ज – गुरुदेव दया करके।](#)

तेरी गोद माँ ऐसी है,
है स्वर्ग के सुख फीके,
जिसको तूने गोद लिया,
वो दीये जलाए घी के,
तेरी ममता पाने को,
तेरा ध्यान मैं लगाऊं,
बनकर के धूल के कण,
चरणों से लिपट जाऊं।bd।

धन हिन मैं निर्धन,
साधन है पास नहीं,
कुछ कृपा करो ऐसी,
टूटे विश्वास नहीं,
बस भाव के फूलों से,
तुमको मैं रिझाऊं,
बनकर के धूल के कण,
चरणों से लिपट जाऊं।bd।

माँ ही तो है एक ऐसी,
मेरे दुःख में जो रोती,
बेटे की मुसीबत को,
सीने पर ढोती है,
अहसान तेरे लाखों,
कैसे इनको चुकाऊं,
बनकर के धूल के कण,
चरणों से लिपट जाऊं।bd।



चाहत माँ नहीं कोई,
दुनिया रोशन कर दे,
इस नीरस जीवन में,
रस ममता का भर दे,
'बेधड़क' तेरी महिमा,
दिन रात मैं माँ गाऊँ,
Bhajan Diary Lyrics,
बनकर के धूल के कण,
चरणों से लिपट जाऊँ।

बनकर के धूल के कण,
चरणों से लिपट जाऊँ,
तेरे आँचल की छैया,
मैं आके सिमट जाऊँ,
बनकर के धूल के कण,
चरणों से लिपट जाऊँ।

Singer / Lyrics – Pappu Ji Bedhadak